



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

वं० २]

नई विल्सो, शनिवार, जनवरी 13, 1979/पौष 23, 1900

No. 2]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 13, 1979/PAUSA 23, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न हो जाती हैं जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—पाण्ड 4

## PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संविधिक नियम और आदेश

## Statutory Rules and Orders Issued by the Ministry of Defence

## रक्षा नियमाला

नई दिल्ली, विनाक, 30 विसम्बर, 1978

कानूनी नं० ८.—राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परमुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधीक्षतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदृश्ट होते हैं।

2. परिचालना—इन नियमों में, जब तक कि संवर्द्ध से अनुथा अपेक्षित न हो:—

(1) "मूल्यांकन" शब्द से नियम 8 के उपनियम (2) के अधीन गठित बोर्ड अधिप्रेत है;

(2) "प्रायोग" से संबंधित सेवा प्रायोग अधिप्रेत है;

(3) "महानिदेशक" से अनुसंधान और विकास महानिदेशक अधिप्रेत है;

(4) "कर्तव्य पद" से अनुसूची 2 में सम्मिलित कोई स्थायी या अस्थायी पद अधिप्रेत है;

(5) "सरकार" से भारत सरकार अधिप्रेत है;

(6) "संगठन" से रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन अधिप्रेत है;

(7) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अधिप्रेत है;

(8) "अनुसूचित जातियाँ" से ऐसी जातियाँ, भूल वंशीया या जनजातियाँ के द्वारा या उनके भीतर के समूह अधिप्रेत हैं जो संविधान के प्रयोगम के लिए संविधान के अनुच्छेद 341 के अधीन अनुसूचित जातियों के रूप में अधिसूचित हैं;

(9) "अनुसूचित जनजातियाँ" से ऐसी जनजातियाँ या जनजाति समूदाय प्रबन्धा ऐसी जनजातियों या जनजाति समूदाय के भाग या उनके भीतर के समूह अधिप्रेत हैं जो संविधान के प्रयोगम के लिए संविधान के अनुच्छेद 342 के अधीन अनुसूचित जन जातियों के रूप में अधिसूचित हैं;

(10) "सेवा" से रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा अधिप्रेत है।

3. रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा का गठन-रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा के नाम से एक सेवा का गठन किया जाएगा जिसमें नियम 7 और 8 के अधीन नियुक्त व्यक्ति होंगे। इस सेवा में सम्मिलित सभी पद समूह 'क' पद के रूप में वर्णित किए जाएंगे।

4. श्रेणी, प्राधिकृत सदस्य संचया और उसका प्राविष्टोकन—1) सेवा में सम्मिलित पद, उनकी संख्या और वेतनमान वे होंगे जो अनुसूची 2 में विविदिष्ट हैं।

(2) इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् विभिन्न श्रेणियों की प्राधिकृत स्थायी सद्या वह होगी जो सरकार द्वारा समय-ममत्य पर अवधारित की जाए।

(3) सरकार विभिन्न श्रेणियों का मदस्य सूच्या। मेरेमा अस्थायी परिवर्धन या ऐमी क्टौनों का मत्रता है जैसी वह ममय-ममय पर उपर्युक्त समझे।

(4) मरकार आयोग के परामर्श से अनुसूची 2 में सम्मिलित पदों से भिन्न किसी पद वा सदा में सम्मिलित कर मरकार है या उस अनुसूची में सम्मिलित किसी पद को सेवा से तिकाल मरकार है।

(5) सरकार अध्याग के परामर्श से, किसी एम अधिकारी द्वारा जिसका पद इस नियम के उपनियम (4) के अंतर्गत सेवा में सम्मिलित है, अस्थायी है भियत में या अधिकारीय टैम्परेट भ जैसा उचित समझा जाए, सेवा के सुरुचित शर्ष में नियुक्त वर सकेगी और अध्याग के परामर्श से श्रेणी में उच्ची ज्येष्ठाना नियन्त कर सकेगी।

5 भेवा के मदम्य—(1) निम्नलिखित व्यक्ति भेवा के मदम्य हांगे

(क) नियम 7 के अप्रैन्त इन नियमों की प्रस्थापना की तारीख में सेवा में नियक्त व्यक्ति, ऐसी प्रस्थापना की तारीख से

(ख) इन नियमों के प्रव्याप्ताना वे पञ्चात् कर्तव्य पद पर नियक्त व्यक्ति, उस तारीख से, जिसको वे इम प्रकार नियक्त किए गए हैं,

(2) इस नियम के उपनियम (1) के खण्ड (क) के अतीत नियुक्त व्यक्ति एवं प्रब्लेमना पर, तत्समान श्रेणी में सेवा वा मदस्य ममज्ञा जाएगा।

( 3 ) इस नियम के उपनियम ( 1 ) के खण्ड (ख) के अधीन नियुक्त व्यक्ति, ऐसी नियुक्ति दी तारीख से, तन्मयन्त्रयोग्य में होता। मदस्य समझा जाएगा ।

(4) उपर्युक्त के प्रलापों, सरकार, जब आवश्यक समझ दें किमी प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को परामर्शी के रूप में या प्रयोगित वैज्ञानिक के रूप में ऐसी शर्तें और निर्देशनों पर ज़ीमी, दह प्रत्येक मासने में विनि शिचत वरे, नियत्कर कर सकती है।

४८ भर्ती की पढ़नि'- सेवा मे भर्ती दिनांकित पढ़ातिय। मे म  
किमी पढ़नि द्वारा की जाएगी। भर्ती की पढ़नि का दिनिच्चय प्रत्येक  
श्रवण एवं प्रकाश द्वारा पढ़ के बाय की अपेक्षाओं को छान मे रखते  
हुए किमी विशिष्ट पढ़ के लिए अपेक्षित अहंताओं के प्रबंध मे, किया  
जाएगा।-

(१) प्रोन्हिं द्वारा

॥ (2) सीधी अर्ति हारा.,

‘०३) केन्द्रीय था राज्य सरकारी’ के अधीन अन्य सेवा और विभाग  
वे उपर्युक्त अधिकारियों के स्वामीनातंरण द्वारा हैं।

(4) विश्वविद्यालयों, प्रौद्योगिकी संस्थानों भारत में या हिंदेश में अनुमन्धान संस्थाओं और गैर मरकारी निकायों अथवा बन्दीय या राज्यीय मरकार के विभागों से उपर्युक्त वैज्ञानिकों और शिल्प विज्ञानियों की प्रतिनियोक्ति डॉ. अथवा मविदा पर

(5) सना, नौसनार्थी वायुसेना से उपर्युक्त आफिसरों के मिर्दिलयत हैमियत में अमेलन द्वारा,

(स्ट) ऐसे उपर्युक्त आकिरो के थामेलन द्वारा जो मद (4) में वर्णित पद्धति से प्रतिनियक्त पर या सुविदा पर तिग्याकृता की गयी है।

७ सेवा या आरम्भिक गठ।—(१) (क) रक्षा विज्ञान सेवा के समूह 'क' के लेने यमी अधिकारियों को जो इन नियमों की प्रख्यापना को तारांख का रक्षा अनुभाव और विकास समाज में काम कर रहे हैं रक्षा अनुभाव और विकास मवा के उन पदों पर श्रेणियों के ए प्रमाण पदों पर श्रेणियां प्रियक गतज्ञान जाएगा जिसे वे नियमित आधार पर बारण कर रहे थे।

(ब) रक्षा विभान सेवा का नेता बौद्ध प्रधिकरण जो निरीक्षण महानिरेखा तरं प्रौर उक्ति है। विभास गौर उत्तरादन (वायु) निवेशालय के प्रतीन इनी के वर्णित या स्थ इन में कार्य कर रहा है या उत्तर्यत्क तारीख को कार्य चर रहा या, रक्षा अनुमन्धान ग्राम विभास सेवा का तब तक मदस्य नहीं बनता। जब तक यह इत विभास का प्रब्ल्यापन। की तारीख से नीन मास के सारे इस सेवा के लिए विकल्प प्राप्त नहीं करता है और उत्तर विभास के लिए नीचे उपतिथम (2) में उल्लिखित रूप से व्याप्त नहीं पाया जाता है।

(2) फिर यह मड़िदेशन नम और नकारी की विकास थी। उत्पादन (व यु) डिइग्राम पर में क्या कर रहे रक्षा विज्ञान से वाके गेसे अधिकारियों की दश में जो रक्षा अन्तर्गत अंग विकास मेवा के लिए विकल्प प्रकट होते हैं मेवा में नियन्त्रक लिंग जान की उनकी उपयोग तो नियन्त्रित हो गयी है गठित की गई लातबोन मनिन द्वारा अवधारित की जाएगी। इस मनिन वा विनियोग अन्तर्गत होता और सभी सम्बद्ध व्यक्तियों पर अधिकार था। और इस मनिन के विनियोग के विरुद्ध कोई अधिकार नहीं की जा सकती।

(क) आयोग का अध्यक्ष या सदस्य

अष्टव्याक्ति

(ब) रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक मन्त्रहकार तथा अनुसंधान और विकास मंहान्तिदशक

(ग) अनुमधान और विकाग के दाम स्थिर नियन्त्रक मदम्य

(घ) सबद्ध पिपय म समचित हैमियत का एक अधिकारी जा महानिदेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा।

स्पृष्टीकरण — ग्रायोग के अध्यक्ष या महम्य से भिन्न रिसी महम्य की अनुस्थिति छलवीन ममिनि का कर्यालय वो अविद्यमान्य नहीं बनाएगी।

परन्तु रक्षा विज्ञन सेवा के ऐसे अधिकारियों का, जो छानबोन समिति द्वारा इस सेवा में नियुक्ति के लिए उत्प्रयत्न पाए गए हैं, इस सेवा में आमेलन इन नियमों की प्रव्याप्ताना की तरफ से पूर्ववर्ती तारीख की रक्षा विज्ञान सेवा में उनके द्वारा नियमित आधार पर वर्गीकृत श्रणियों के समान श्रणियों में उपलब्ध रिक्त स्थानों में कर लिया जाएगा। और वह सभी तारीख की रक्षा विज्ञान सेवा में उहे दी गई अवनी परम्परा ज्येष्ठना बनाए रखेगे। ऐसे अधिकारी जैसे रिक्त स्थानों की कमी के कारण इष्ट प्रकार आमेलिन नहीं किए जा सकते ह निरीक्षण महानिदेशालय या तकनीजी विकास और उत्पादन (वाय) निदेशालय उम सगठना में उम ममत तक सेवा करते रहेंगे जब तक कि उन्हें आमेलिन कामों के लिए मेवा में वरसमाझ श्रेणियों में नियमित रिक्तियाँ उपलब्ध नहीं हों जाती। ऐसे अधिकारियों का ज्येष्ठन आयाग के परामर्श से महानिदेशक द्वारा नियत की जाएगी।

टिप्पण ऊपर उपनियम (1) और (2) से उल्लिखित अधिकारियों की, रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा, मे नियुक्ति से पूर्व उनकी अपनी अपनी श्रेणियों मे की गई नियमित लगातार जो १० को सेवा संप्रीति, प्रुष्टि-करण और पेन्शन के लिए अहंकृत मत्वा के प्रयोजन के लिए गणना मे लिया जाएगा।

(3) इस नियम के उपनियम (1)(क) में निर्दिष्ट कोई ऐसा अधिकारी जो सेवा में किसी श्रेणी में चयन पर सेवा में असेवित किए जाने की इच्छा नहीं रखता है, चयन के ठीक पूर्व उसके द्वारा धारित पद पर, इस प्रकार बना रह सकेगा मानी उसका चयन होगा ही नहीं

या श्रीराम प्रयाजन के लिए वह पद सेथा से नव तक के लिए रिक्षित समस्त जगत् जब तक वह उसे वारित किए रहता है। मगठन में विभीती प्राप्ति या पुष्टि के लिए उम पर विद्या नहीं किया जाएगा।

( १ ) यिस मीमा नक्स सेवा की अधिक्षित श्रणिया म प्राधिकृत नियमित पद सम्पादा, प्रारंभिक गठन के गमय नहीं भरी जाती है उस सामा तब उन्हें नियम ९ के अनुसार भरा जाएगा ।

४ सेवा का भवित्व में अनाएँ रखना — (१) नियम ७ के प्रत्युत्साह अप्रिकारियों की नियुक्ति द्वारा सेवा के प्रत्यक्षिक गठन के पूरा हा जाने के पश्चात् रिक्त स्थान इसमें इसके द्वारे दी गई रूपी से भरे जाएगे, परतु —

(क) विभिन्न विषय अत मैंशानिक 'ध की श्रेणी के पदा जा, परीक्षा की स्कीम के अनुसार, जो आयोग के परामर्श में अनुमंदित की जाएगी, युनी प्रतियोगात्मक परीक्षा के माध्यम से मौजूदी भर्ती द्वारा भरा जाएगा। विवितम अन्य भीमा 26 वर्ष हासी (ओ, रक्षा अनुसंधान और विज्ञान मण्डल के कर्मचारियों के लिए शिपिल की जो भर्ती है) किसी भी अध्यक्षी की परीक्षा में तीव्र अवसर से अधिक अवसर की अनुज्ञा नह तक नहीं है। जापानी अब तक वे किसी ऐसे प्रदानाव ने अन्तर्गत न आते हो, जो सभी सभी पर मण्कार द्वारा इन नियम अधिसूचित किए जाए। तथापि ऐसे सभी व्यक्ति जिनकी भर्ती इन नियमों की प्रस्थापना के पूर्व रक्षा अनुसंधान प्रीव विकास मण्डल में कलित्य वैज्ञानिक अधिकारियों के रूप में नियमित आधार पर कर ली गई है, और जिनके पास मौजूदी भर्ती के लिए अधिकथित गैरिक अर्हताएँ और अनुभव हैं, बैशानिक व्यक्ति के पद पर उस श्रेणी के रिक्त स्थानों के 50 प्रतिशत तक प्रोत्साहि के लिए तब तक पापत रहेंगे जब तक ऐसे मधी लागों की नियुक्ति नहीं कर दी जाती है।

“मैं प्रोश्नियों के लिए चयन (1) गायनीय रिपोर्टो या मासात्कार या दोनों के प्राधार पर अवश्य (2) समिति विभागीय प्रतियोगिता पर्षप्ता तथा तस्वीरात् गोनीय रिपोर्टो या मासात्कार या दोनों के आधार पर प्रस्तावित बोडे को गिफ्टारिंगों पर किया जाएगा। समिति विभागीय प्रतियोगिता पर्षप्ता को दृश्या में उन सभी विद्यमान विभागीय मनिष्ठों द्वारा देख रखेंगे जो दोनों दोषों का जोहरा नहीं भर्ता किए जते वाले अनियो के लिए व्यवस्थितिकथित अंशिक प्रदृढ़ताएँ नहीं हैं, ऐसी परक्षा देने के लिए प्रत्युत्तर किया जाएगा और ये वे अहिन हावें हैं और उन्हें मृद्घलक्षण वाले द्वारा शोध निर्धारित किया जाता है तो वे मैं प्रायोग के प्रत्युमानक के प्राप्त रूप हैं दुवा वैशानिक ‘ब्र’ पद पर प्राप्ति के लिए पार्श्व होंगे”

परन्तु उस श्रेणी में इस रीति में भरे गए पदों की कूल मात्रा इन नियमों की प्रणालीपना की नारीख को उस श्रेणी के लिए कूल स्वीकृत सदस्य सङ्काम के 50 प्रतिशत में किसी भी भविय प्रधिकरण नहीं होगी। यह रियायत उन अधिकारियों को भी लागू होगी जो इन नियमों की प्रणालीपना की नारीख को या उसके परामर्श देकर प्रनुसाधन और विकास मण्डल में नियमित प्रधारार पर कनिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारियों के रूप में नियुक्त या प्रोमोन्ट किए गए हैं, परन्तु यह तब जब कि—

- (i) उन्हें इन नियमों की प्रव्याप्ता की तारीख से पूर्व, सभा  
लोक मेंबा आयोग द्वारा विज्ञापित पदों पर कनिष्ठ वैज्ञानिक  
भौतिकारियों के रूप में नियुक्त किया गया हो।

(ii) उन्हें इन नियमों का प्रव्याप्ता की तारीख में पूर्व विभागीय  
प्रोफेसनल समिति द्वारा कोई गई सिफारिशों के आधार पर  
कनिष्ठ वैज्ञानिक भौतिकारियों के रूप में ब्रोन्चित किया गया हो।

परन्तु यह श्रीर कि लियुक्त प्राधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह, आयोग से परामर्श करके, खुनी प्रतियोगितात्मक परीक्षा के दिन, सीधी भर्ती घासा हत पदों को भर दे।

(ब) वैज्ञानिक 'ष' में ऊपर के किमी भी पद को नियम ४ में वर्णित किमी भी पद्धति द्वारा भरा जाएगा। भर्ती की पद्धति, प्रत्येक अवसर पर, महानिवेशक द्वारा विनियिष्ट की जाएगी जो विनियिष्ट भौतिकाओं

और उस विशिष्ट पद के लिए अपेक्षित अहंताद्वारा को ध्यान में रखकर तय की जाएगी। परियोजना प्रबन्ध वाले ऐसे पदों के लिए सरकार, चूंकि गज्य के हित और सगठन के उद्देश्य परम महत्व के होते हैं, पदों को भरने की पद्धति पश्चात्तारी से अपेक्षित क्षमता, प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्यों और अपेक्षित अहंताएँ और अनुभव वाले व्यक्तियों की सेवा के भीनर और माहूर उपलब्धता को ध्यान में रखकर विनियोजित करेगी।

(ग) वैज्ञानिक मनाहकार और प्रनुसधान श्री विकास महानिवेशक के पद का आयोग के परामर्श से भग्न जाएगा।

(2) विभागीय प्रोफेसन ऐसे अधिकारियों से से की जाएँगी जो अनुसूची 3 में दी गई विस्तृत वैक्षिक प्रहृष्टताएँ रखते हों और जो दीक्षित निवेदी की श्रेणी में काम करते हों। प्रोफेसन के लिए अधिकारियों का चयन अधिकृत कुण्डलाशुण या विशिष्ट श्रेणी में कार्य निष्पादन के आधार पर! दी अनुसूची के अनुसार गठित मूलताकन बांड़ा द्वारा निर्धारित किया गया हो न कि कबल ज्येष्ठना के आधार पर, निम्नलिखित रीति से किया जाएगा।

(क) मूल्यांकन बोर्ड को वर्ष में कम से कम एक बार या ऐसे अन्तरालों पर द्वारा या जाएगा जो महानिवेशक द्वारा विहित किए जाएँ। ये बोर्ड, पूर्ण रूप से भागी देने पर्याप्त या एक से प्रधिक स्थापनों में जीमा कि महानिवेशक द्वारा विनियित किया जाए, विभिन्न स्थापनों या प्रयोगशालाओं या मुक्यालयों में कार्य करने वाले व्यक्तियों की योग्यता को, संचयते (विभिन्न) में प्रोनंती के सिए, मूल्यांकन करने के प्रयोजनपूर्वी थिन्कों परकर मर्केंगे।

(ब) वैज्ञानिक 'प' और उससे ऊपर के पदों पर प्रभावित के लिए विनिर्विष्ट अर्थात् अपेक्षाएँ (क्यों भार) महत्वपूर्ण हारा प्रत्येक अवधार पर उस विशिष्ट पद के लिए अपेक्षित मर्हताओं और उसके लिए कार्य की अपेक्षाओं को इवान में रखने हुए अवधारित की जाएगी।

(ग) प्रोन्नति के लिए अधिकारियों की उच्चयुक्ति का नन्हा मूल्यांकन में, मूल्यांकन बोर्ड उनकी अर्हतापूर्वक अपेक्षित कारबूल गुणाग्रण उद्योगस्ता प्राप्ति को व्याप्ति में रखेगा ताकि अधिकारियों ने पोर्ट और साक्षात्कार के आधार पर क्षियालाभास्थान तथा अधिकारियों मूल्यांकन बोर्ड अपने विवेकानुसार ऐसे अधिकारियों (अधिकारियों) की अध्यर्थिता पर, जो साक्षात्कार के लिए उत्तमविधि लाइन्ड हैं वे असमर्थ हो, उनकी अनुपस्थिति में विवरण कर अपेक्षा '।। मूल्यांकन बोर्ड तो से अधिकारियों की एकमात्रीता वाले अधिकारियों का जिनका मूल्यांकन करके उन्हें अग्रणी उच्चतरा श्रीमान्मुखी अधिकारियों के लिए उपयोग भाना गया है।

छत्ती पर हों, अपने स्थापन प्रयोगशाला या मूल्यालयों में अपना कार्य समालेने की तारीख से अपना कार्यभार उसी श्रेणी में समालेंगे जिसमें उन्हें प्रोत्साहित दी गयी है परन्तु इससे उनके “बधन की तारीख” या उसी मूल्यालय बोर्ड द्वारा प्रोत्साहित के लिए उपचुक्त समझे गए अन्य अधिकारियों की तुलना में उच्चतर श्रेणी में उनकी आवश्यक ज्योष्टक्षण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। जहाँ तक भारत में या विदेश में (पू० नि० 51 के प्रलैग्नत) प्रगतिशील प्रयोगशाला का संबंध है, अगली उच्चतर श्रेणी में उन्हें उस तारीख से प्रोत्साहित किया जाएगा जिस तारीख को वे, यदि प्रगतिशील पर न गए होते तो प्रोत्साहित किए जाते। ऐसी प्रोत्साहित निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर की जाएगी :—

- (1) ऐसे प्रगतिशील की प्रवधि को मू० नि० 9(6) (क) के अधीन द्वितीय समझे जाता है।
  - (2) उन्हें अगली उच्चतर श्रेणी में प्रोत्साहित के लिए अनुमोदित कर दिया गया है।
  - (3) उनके सभी उपलब्ध ज्योष्टक्षणियों, को, उनको छोड़कर, जिन्हें किसी विशिष्ट श्रणी में प्रोत्साहित के लिए आवश्यक माना गया है, उस श्रेणी में प्रोत्साहित कर दिया गया है।
- (क) वैज्ञानिक ‘ग’ और वैज्ञानिक ‘घ’ और वैज्ञानिक ‘ड’ की श्रेणियों में अधिकारियों की प्रोत्साहित के बारे में मूल्यालय बोर्ड की सिफारिश पर एक श्रेणी से दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्साहित अधिकारियों को यथासंभव उन्हीं स्थापनों, प्रयोगशालाओं या मूल्यालयों में स्वस्थाने प्रोत्साहित किया जाएगा। इस प्रयोगशाला के लिए उस श्रेणी में प्रपेक्षित संक्षय में पदों के प्रेषण को महानिदेशक की अधिकारियों के अधीन, उस स्थापन प्रयोगशाला या मूल्यालय के लिए मंजूर बजट संबंधी सीमा के भीतर रहते हुए, बढ़ा दिया जाएगा परन्तु यह इस परन्तुके के अधीन होगा कि वैज्ञानिक ‘घ’ और वैज्ञानिक ‘ड’ के पद की कुल संक्षय वैज्ञानिक ‘ग’, वैज्ञानिक ‘ग’ और वैज्ञानिक ‘घ’ और ‘ड’ की कुल पद संक्षय के एक तिहाई से अधिक नहीं होगी। परन्तु यह और कि वैज्ञानिक ‘ड’ के पदों की कुल संक्षय वैज्ञानिक ‘घ’ और वैज्ञानिक ‘ड’ के पदों की कुल संक्षय के एक तिहाई से अधिक नहीं होगी। तथापि महानिदेशक, यदि वह सेवा के हित में आवश्यक समझे तो, किसी अधिकारी का एक स्थापन, प्रयोगशाला या मूल्यालय से दूसरे स्थापन, प्रयोगशाला या मूल्यालय में स्थानान्तरण उसकी प्रोत्साहित पर या उसी श्रेणी में कर सकता है।

(3) सेवा के भविष्य में बनाए रखने के लिए नियम 6 की क्रम संक्षया (2) से (6) तक में बणित विभिन्न पदस्थितियों के अधीन अधिकारियों का अध्ययन आयोग के परामर्श से बहुत के सिवाय किया जाएगा जहाँ केन्द्रीय सरकार के समूह ‘क’ के अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया जाए। सीधी भर्ती द्वारा चयन साकारकर या लिखित परीक्षा या दोनों द्वारा किया जाएगा। सेवा में विभिन्न पदों पर इस उपलियम में उल्लिखित पदस्थितियों के अधीन लियुक्ति के लिए ऐसिक अर्हताएं, अनुभव और ग्राम्य सीमा भारे तौर पर अन्तर्द्वी 3 में विनिर्दिष्ट रूप में होनी तथापि, विभिन्न पदों के लिए प्रपेक्षित विनिर्दिष्ट अर्हताएं और अनुभव प्रत्येक पदस्थर पर महानिदेशक द्वारा आयोग से परामर्श करके विहित किए जायेंगे।

(4) नियम 6 की मद (4) में उल्लिखित पदस्थिति द्वारा प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त अधिकारी आरम्भ में 2 वर्ष की प्रवधि के लिए नियुक्त किए जाएंगे जो महानिदेशक के विवेकानुसार बढ़ाई या हटाई या हटाई जा सकती है। किसी भी दशा में प्रतिनियुक्ति को कुल प्रवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी। तथापि प्रतिनियुक्ति भला, प्रतिनियुक्ति के केवल प्रथम चार वर्षों के लिए अनुमेय होगा।

(5) नियम 6 की मद (4) में उल्लिखित पदस्थितियों द्वारा संविदा पर नियुक्त अधिकारी साधारणतः उह वर्ष की प्रवधि के लिए नियुक्त किए जाएंगे। तथापि वे एक वर्ष की प्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे संविदा की प्रवधि महानिदेशक के विवेकानुसार घटाई जा सकती है। उह वर्ष के अन्त में संविदा का नवीकरण किया जाएगा।

(6) प्रतिनियुक्त या संविदा की प्रवधि के दौरान सम्बद्ध अधिकारियों के कार्य का निवारण ऐसे कालिक अन्तरालों पर किया जाएगा जो महानिदेशक द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाए और यदि उसे समाधान-प्रब समझा जाए तो सेवा की समुचित श्रेणी में आमेलन के लिए ऐसे अधिकारियों के मामलों पर महानिदेशक आयोग से परामर्श करके विचार करेगा।

(7) नियम 6 की मद (3), (5) और (6) में वर्णित किसी पदस्थिति के अनुसरण में सेवा में नियुक्त अधिकारियों की ज्योष्टक्षण द्वारा आयोग से परामर्श करके नियत की जाएगी।

9. परिवीक्षा :—सेवा की किसी श्रेणी में सीधी भर्ती द्वारा या प्रोन्तु द्वारा नियुक्त अधिकारियों की ज्योष्टक्षण द्वारा प्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

परन्तु महानिदेशक सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार परिवीक्षा की प्रवधि को बढ़ा या घटा सकता है।

परन्तु यह और कि ऐसे मामलों में, जहाँ परिवीक्षा की अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव हो, महानिदेशक ऐसा करने के अपने आशय की लिखित सूचना अधिकारी को परिवीक्षा की आरम्भिक या बढ़ाई गई प्रवधि की समाप्ति के पश्चात् बारह सप्ताह के भीतर देगा।

(2) परिवीक्षा की प्रवधि के पूरा होने पर, अधिकारियों को, यदि उन्हें स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य समझा जाए तो ऐसी अधिकारियों पर एक वर्ष के अन्त में आवश्यक समझे तो, किसी अधिकारी का एक स्थापन, प्रयोगशाला या मूल्यालय से दूसरे स्थापन, प्रयोगशाला या मूल्यालय में स्थानान्तरण उसकी प्रोत्साहित पर या उसी श्रेणी में कर सकता है।

(3) यदि इस नियम के उपलियम (1) में विनिर्दिष्ट परिवीक्षा की प्रवधि के दौरान या यथास्थिति, उसके बढ़ाए जाने के दौरान सरकार की यह राय है कि अध्यार्थी स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा यदि परिवीक्षा की ऐसी प्रवधि के दौरान या उसकी वृद्धि के दौरान सरकार की यह राय हो कि परिवीक्षा की ऐसी प्रवधि या उसकी बढ़ाई गई प्रवधि की समाप्ति पर अध्यार्थी स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो सरकार, अध्यार्थी को, यथास्थिति, सेवान्मुक्त कर देगी या उसके प्रधिष्ठायी पद पर वापस भेज देगी या ऐसे आवेदन पारित करेगी जो वह उचित समझे।

(4) अध्यार्थी से यह प्रयेक्षा की जा सकेगी कि वह परिवीक्षा की प्रवधि के दौरान ऐसा प्रशिक्षण या प्रशिक्षियास पाठ्यक्रम पूरा करे और ऐसी परीक्षाएं और परीक्षण पास करे (जिसमें हिन्दी की परीक्षा सम्मिलित है) जो महानिदेशक द्वारा परिवीक्षा की समाधान पूर्ति की शर्त के रूप में विहित की जाय।

10. सेवा का प्रधान :—महानिदेशक सेवा का प्रधान होगा और सरकार के सर्वोत्तम साम्राज्य के लिए सेवा के अधिकारियों के प्रभिमियोग के लिए उत्तरायी होगा।

11. सेवा का वायित्व :—सेवा में नियुक्त अधिकारियों का, भारत के भीतर या बाहर कहीं भी सेवा करने का वायित्व होगा।

(3) अधिकारियों को यदि प्रतिनियुक्ति किया जाए तो उनका भारत सरकार के किसी अन्य मंत्रालय या विभाग के सरकार के लिए भी और अधिकारियों उपक्रमों में सेवा करने का वायित्व होगा।

(3) निम्नलिखित टिप्पण में निविष्ट इंजीनियरी या कि चिकित्सीय अहंकारां रखने वाले और इन नियमों के प्राचार से पूर्व या पश्चात् भर्ती किए गए व्यक्तियों का, यदि ऐसी घटेका हो तो, साथल बल में 4 वर्ष से अनधिक प्रब्रह्म के लिए जिसमें प्रशिक्षण में अतीत की गई प्रब्रह्म भी यदि कोई हो, सम्मिलित है, कमीशन प्राप्त आकासर के रूप में सेवा करने का दायित्व होगा, परन्तु :

(क) नियुक्ति की सारीब से 10 वर्ष की समाप्ति के पश्चात् उनसे पूर्वोक्त रूप में सेवा करने की घटेका नहीं की जाएगी; और

(ब) इंजीनियरों के मामले में 40 वर्ष और डॉक्टरों के मामले में 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् उनसे सामान्यतः पूर्वोक्त रूप में सेवा करने की घटेका नहीं की जाएगी।

टिप्पण—इस नियम में निविष्ट इंजीनियरी या चिकित्सा अहंकारां वे हैं जो यथास्थिति, सेवा अनुदेश 10/8/65 के पैरा 2(अ) या 1959 के सेवा अनुदेश 208 के पैरा 3(अ) में प्रधिकृत हैं।

(4) सेवा में नियुक्त व्यक्ति का अनुसंधान और विकास या ऐसे अन्य काम की आवश्यकता जो महानिवेशक द्वारा अनुमोदित हो, एक सीमित समय तक फौलूं सेवा करने का (जिसमें भूमि पर सेवा या सेवा वायुयान या नीरेना पौत द्वारा याज्ञा भी सम्मिलित है) दायित्व होगा।

(5) सीमित फौलूं सेवा वाले काम के लिए जुने गए अधिकारियों को, यथास्थिति, चयन के समय या जब वे फौलूं सेवा पर जाने आवै हों ऐसी विशेष चिकित्सीय जाग करानी होती, जो विनिर्विष्ट की जाए।

(6) सेवा में नियुक्त अधिकारियों का ऐसा प्रशिक्षण पाने का दायित्व होगा और जिहें भारत के भीतर या बाहर ऐसे अनुदेश पाठ्य-क्रमों पर प्रतियुक्त किया जाएगा जो महानिवेशक द्वारा समय-समय पर विभिन्न विधियों की प्रवृत्ति पर ज्ञान देता है, एसे प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम के लिए प्रतियुक्त अधिकारी, जिसकी अधिकृत छह मास या उससे अधिक है, या ऐसा अधिकारी, जो भारत से आहुर या भारत में प्राइवेट फौलूं या कारखानों में प्रतिनियुक्त है, प्रशिक्षण की अवधि पर ध्यान दिए जाना, प्रशिक्षण की पूरी लागत वापस करने के लिए वायी होगा यदि वह किसी भी कारण से प्रशिक्षण के दौरान या ऐसा प्रशिक्षण पूरा करने के पश्चात् तीन वर्ष की अवधि के भीतर अपनी सेवा समाप्त कर देना चाहता है।

12. सेवा नियूक्ति कारबो—सेवा का ऐसा सदस्य, जो इन नियमों की प्रव्याप्ति से पूर्व पेन्शन या अंशवायी भविष्य निधि प्रसुविधाओं का पाल था, ऐसी प्रव्याप्ति के ठीक पूर्व उसे लागू नियमों द्वारा शासित होता रहेगा।

(2) इन नियमों की प्रव्याप्ति पर या उसके पश्चात् पेन्शनीय प्राधार पर भर्ती किया गया सेवा का सदस्य, ऐसे अन्य सिविलियरों को, जिनके बेस्ट का संदाय रक्षा सेवा प्राकलन से किया जाता है, सागृ समय-समय पर यथा संशोधित, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेन्शन) नियम, 1972 द्वारा शासित होगा। इस प्रकार भर्ती किया गया सेवा का सदस्य जो अंशवायी भविष्य निधि के प्राधार पर है, अंशवायी भविष्य निधि (रक्षा सेवा) नियम द्वारा शासित होगा।

(3) सेवा में वैज्ञानिक 'ड' और इससे ऊपर के सभी पद पेन्शनहीन होंगे और इन पदों को धारण करने वाले अधिकारी अंशवायी भविष्य निधि (रक्षा सेवा) नियम द्वारा शासित होंगे।

टिप्पण—केन्द्रीय या राज्य सरकारों के भर्तीन पेन्शनीय आवार पर पहले से ही पद धारण करने वाले अधिकारी, यदि ऐसा विकल्प प्रकट करे तो, अपनी पेन्शन वायी प्रास्तिकृत बनाए रख सकते हैं परन्तु :

(क) ऐसे विकल्प का प्रयोग इन नियमों की प्रव्याप्ति की तारीख से या सेवा में आमेलन की तारीख से, इनमें से जो भी पश्चात् बर्ती हो, छह मास के भीतर किया जाना चाहिए; और

(छ) एक बार विकल्प का प्रयोग करने पर वह प्रतिम होगा। नियत समय के भीतर विकल्प का प्रयोग न करने पर वह प्रथं लगाया जाएगा कि विकल्प, वर्तमान पेन्शन प्रसुविधाएं लेते रखने के पक्ष में हैं।

टिप्पण—2—सेवा के किन्हीं पेन्शन वाले पदों पर सीधी भर्ती द्वारा या आन्वन्ति द्वारा नियुक्त और उन (पदों) पर पृष्ठ किए गए व्यक्तियों को जब वैज्ञानिक 'ड' या उससे ऊपर के पद पर सीधी नियुक्त किया जाता है तो वे अपनी पेन्शन शाही प्रास्तिकृत बनाए रखेंगे।

(4) सेवा में वैज्ञानिक 'ड' और उससे नीचे के सभी पद पेन्शन वाले पद होंगे।

टिप्पण 3—वैज्ञानिक 'ड,' जो इन नियमों के प्रव्याप्ति पर ऐसे पद धारण करते हैं और अंशवायी भविष्य निधि द्वारा शासित है पेन्शन प्रसुविधाओं के लिए विकल्प वे सकते हैं परन्तु :

(क) ऐसे विकल्प का प्रयोग इन नियमों की प्रव्याप्ति की तारीख से छह मास के भीतर किया जाएगा; और

(छ) एक बार विकल्प का प्रयोग कर देने पर वह प्रतिम होगा। नियत समय के भीतर विकल्प का प्रयोग न करने का यह प्रथं लगाया जाएगा कि विकल्प वर्तमान अंशवायी भविष्य निधि प्रसुविधाएं लेते रखने के पक्ष में हैं।

(5) बाब में सेवा में प्रवेश करने वाले अध्यार्थी, जो वैज्ञानिक 'ड' और उससे ऊपर के पदों पर नियुक्त हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेन्शन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुक्रेय अधिकारियों वेन्शन के प्रयोजनों के लिए सेवा काल के बढ़ाए गए वर्षों की प्रसुविधाओं के हक्क वार होंगे।

13. सेवा की प्रत्यक्ष शर्तें—(1) ऐसे विषयों की बाबत, जिनका इन नियमों में स्पष्ट उपर्युक्त नहीं है, सेवा के सदस्यों की सेवा की शर्तें, यथावध्यक परिवर्तनों सहित, और सेवा के बारे में सरकार द्वारा आरी किए गए किन्हीं विशेष आदेशों के अधीन अनुक्रेय अधिकारियों वेन्शन के तत्समान प्रास्तिकृत के अधिकारियों (सिविलियन) को लागू होती हैं।

(2) आवार प्राधार अनुशासन के विषय में सेवा के अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (आवार) नियम 1964 और केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 द्वारा शासित होंगे।

(3) इस सेवा के सभी पदों को समूह 'क' के पदों के रूप में वर्गीकृत किया जायगा और उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय वन सेवा और केन्द्रीय सेवाओं के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार स्वास्थ्यान्वयन (स्वास्थ्य विभाग) द्वारा जारी किए गए चिकित्सा विनियमों प्राधार चिकित्सा विनियमों में यथा विनिर्विष्ट चिकित्सा मानकों के प्रयोजन के लिए 'तकनीकी पद' समझा जाएगा।

(4)(क) भारत के भोतर या भारत के बाहर ऐसे उच्च प्रध्ययन के लिए, जो रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के किसी हित में न हों, उन्हों के लिए सेवा के अधिकारियों के निवेदन को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ब) जन सेवा का कोई अधिकारी प्रशिक्षण या अध्ययन के ऐसे पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए आवेदन करता है, जिसका रक्त। अनुसंधान और विकास संगठन के हित के क्रियों पर मोद्धा प्रबाल पड़ता है और उसके परिणाम स्वरूप ऐसे अध्ययन या प्रशिक्षण से रक्त, अनुसंधान और विकास संगठन के हित पूरे होते हैं, यद्यपि अधिकारी की प्रतीतिरूपित करने ही मोद्धा तक नहीं, तो उसे निम्नलिखित शर्तों पर अध्ययन छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

(1) रक्त अनुसंधान और विकास संगठन अधिकारी को अध्ययन या प्रशिक्षण के स्थान तक जाने और वहाँ से आनंद का ब्रह्म नहीं देगा।

(2) मंजूर की गई छुट्टी मामान्यता द्वारा मास से अधिक नहीं होगी और किसी भी दशा में समस्त सेवा काल में, वहाँ के सिद्धाय, वांचन में अधिक नहीं होगी, जहाँ छुट्टी का आवेदन डाक्टरेट या स्मान अर्हता प्राप्त करने के लिए हो। इस दशा में छुट्टी की अवधि को ऐसी अर्हता प्राप्त करने के लिए अपेक्षित न्यूनतम अवधि तक बढ़ाया जा सकता है किन्तु वह समस्त सेवा काल में जाने वाले से अधिक नहीं होगी। द्वारा मास से अधिक को अध्ययन छुट्टी के बाद तब मंजूर की जा सकती यदि प्रवेक्षकों ने रक्त मानवालय अनुसंधान और विकास संगठन में 5 वर्ष से अधिक सेवा की हो और कम में कम 3 वर्ष तक निरन्तर सेवा की हो।

(3) अध्ययन छुट्टी किसी अन्य प्रकार की छुट्टी के साथ इस शर्त के प्रवेक्षकों ने जा सकती है कि अध्ययन छुट्टी भ्राताधारण छुट्टी से भिन्न नियमित छुट्टी के साथ मिलाकर 28 मास से अधिक नहीं होगी। और यह कि अनुपस्थिति की प्रतिक्रिया प्रवधि, जिसमें अध्ययन छुट्टी भी शामिल है, मध्यूरे सेवा काल में 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(4) प्रवेक्षकों से एक बन्धवत्र प्राप्त किया जाएगा जिसमें वह भाग के भीतर या बाहर अध्ययन या प्रशिक्षण के पूरा हो जाने के पश्चात रक्त अनुसंधान और विकास संगठन में कम से कम तीन वर्ष और अधिक से अधिक पांच वर्ष सेवा करने के लिए अपने की आवाद्ध करेगा।

(5) नियत अवधि के भीतर कर्तव्य पद पर अधिकारी के लौटने की दशा में, अधिकारी की अध्ययन छुट्टी की अवधि को छेतन, पेशन, बैतनवृद्धि प्रति के प्रवेक्षकों के लिए गणना में सिया जाएगा। किन्तु अध्ययन छुट्टी की समाप्ति के पश्चात्, अधिकारी के कर्तव्य पद पर न लौटने की दशा में, अधिकारी मरकार को बन्धपत्राद्यान धन का मंशय करने के लिए वायी होगा और उसके माध्य हो अधिकारी के सेवा का भी पर्यव्रक्ति किया जा सकेगा।

(6) अन्य सभी क्रियों की बाबस, जिसमें छुट्टी बैतन और अध्ययन भत्ता भी सम्मिलित है, मध्यम-मध्य पर यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी), नियम, 1972 में अन्तर्विष्ट "अध्ययन छुट्टी" से मंत्रित नियम, इस सेवा के सबस्तों को भी लागू होंगे।

#### 14. निरार्हहाराएः—वह अवधि,—

(1) जिसने ऐसे अवधि से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या

(2) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी अवधि से विवाह किया है;

सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय मरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे अवधि और विवाह के प्रत्यक्षकार को लागू स्वयं विधि के अधीन अर्हत है, तो और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह नियुक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

15. नियम शिथिल करने की अवधि:—जहाँ केन्द्रीय मरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेवेबद्द करके तथा सभा लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ती या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

16. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे प्रारक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेंगी, जिनका केन्द्रीय मरकार द्वारा इन संबंध में समय-समय पर नियमित गण प्रादेशों के अनुसार अनुसूचित जानियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

17. नियंत्रण:—यदि इन नियमों के नियंत्रण के बारे में कोई प्रश्न उठता है तो उनका विनियोग सरकार द्वारा किया जाएगा।

"18. कर्तव्य मामलों में रक्त विज्ञान सेवा नियम, 1967 का अन्त:—

इन नियमों के प्रारम्भ पर और से, रक्त विज्ञान सेवा नियम, 1967, जहाँ तक उनका संबंध उन पदों से है, जिन्हें ये नियम लागू होते हैं, प्रृत्त नहीं रहेंगे।"

#### प्रनुभूति—1

रक्त अनुसंधान और विकास सेवा में प्रोन्नतीकों के लिए अधिकारीयों की उत्तमता का मूल्यांकन करने के लिए मूल्यांकन बोर्ड का गठन मूल्यांकन बोर्ड का गठन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा:—

(i) आयोग का अध्यक्ष/मवस्थ या आयोग का नामनिर्देशित अध्यक्ष

(ii) अनुसंधान और विकास सहनियेशक द्वारा नामनिर्दिष्ट उचित प्राप्तियों के बीच या तीन विभागीय अधिकारी

समस्य

(iii) आयोग द्वारा नामनिर्विषट दो या दो से अधिक विशेषज्ञ

समस्य

प्राप्ति (i) कम स० (2) में डाल्लियन अधिकारीयों को, सामान्यतः उस स्तर से जिस के लिए अविक्षियों की प्रोन्नति के लिए विज्ञान किया जाना है, एक स्तर ऊंचा होना चाहिए।

(ii) प्रवद्यक से भिन्न बोर्ड के किसी सदस्य की प्राप्तियों की मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाहियों को अविक्षियाल्य नहीं होनाएँगी।

(iii) मूल्यांकन बोर्ड की कार्यवाहियों आयोग के अनुमोदन के अन्तर्विष्ट होंगी।

(iv) वह तारीख, जिससे मूल्यांकन बोर्ड की सिफारिश प्रभावी होगी आयोग के परामर्श से विनियोग चीजाएँगी।

## अनुसूची—2

(नियम 4 देखिए)

रक्षा अनुसंधान और विकास में सम्मिलित समूह 'क' पदों की संख्या और वेतनमान

क्रम सं.	पद का नाम	वेतनमान	पद संख्या
1	वैज्ञानिक 'ख'	700-40-900-३० रु० 40-1100-50-1300 रु०	512
2	वैज्ञानिक 'ग'	1100-50-1600 रु०	378
3	वैज्ञानिक 'घ'	1500-60-1800-100-2000 रु०	118
4	वैज्ञानिक 'ग'	1800-100-2000-125/2-2250 रु०	19
5	वैज्ञानिक 'ब'	2000-125/2-2500 रु०	11
6	वैज्ञानिक 'छ'	2500-125/2-3000 रु०	12
7	मुख्य नियंत्रक, अनुसंधान और विकास	2500-125/2-3000 रु०	1
8	रक्षा मंत्री का वैज्ञानिक सलाहकार और अनुसंधान और विकास महा-नियंत्रक	समय समय पर मरकार द्वारा जैसा चिह्नित किया जाए। ।	1

## अनुसूची-3

[नियम 8(2) देखिए]

रक्षा अनुसंधान और विकास में सम्मिलित समूह 'क' के विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अनुसूचित शक्तिकारी और अन्य अर्हताएँ, अनुभव और आयु सीमा

क्रम सं.	पद का नाम	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शक्तिकारी और अन्य अर्हताएँ और अनुभव	आयु सीमा
		वैज्ञानिक इंजीनियरी या तकनीकी विषयों पर एसेप्टों के लिए जिनमें चिकित्सा संबंधी को ऐसे पदों के लिए जिनमें अर्हताओं की अर्हताओं की अपेक्षा हो। अपेक्षा हो।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	वैज्ञानिक 'ख'	<p><b>आवश्यक :</b> किसी भान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय से विज्ञान-विषयों गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रो-शोगिकी या धातुकी में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य ।</p> <p><b>बांधकारी :</b> जर्मन, फ्रेन्च, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी</p>	<p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिक से अधिक 26 वर्ष (रक्षा अनुसंधान नियम 1956 (1956 का 102) का प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता/उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम को धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए ।</p> <p>(2) अनिवार्य छुर्णी इन्टर्नशिप को पूरा किया हो।</p>	
2	वैज्ञानिक 'ग'	<b>आवश्यक :</b> (1) किसी भान्यता प्राप्त विष्वविद्यालय से विज्ञान-विषयों गणित या मनो-विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी इंजीनियरी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य । (1) की अपेक्षा हो। (2) की अपेक्षा हो। <p>(2) अरेक्षिका वैज्ञानिक समूह संस्थान (एसीएस) की द्वितीय अनुसूची (एसीएस) की द्वितीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता/उक्त अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों की जानकारी हो। उक्त अनुसूची की अपेक्षा हो।</p>	<p>(1) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम, अधिक से अधिक 30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिखिल की जा सकती है)</p>	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
<b>पाठ्यनीय :</b>				
		(1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि । (2) जर्मन, फ्रेंच, रुसी, जापानी, या चीनी भाषा की जानकारी ।	(2) अपेक्षित स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता (3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनु-संधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में तीन वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव ।	
3. वैज्ञानिक 'भ'	प्रावश्यक :	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य । (2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान या विज्ञान या विकास या उत्पादन में 8 वर्ष का अनुभव ।	प्रावश्यक :	प्रधिक से प्रधिक 45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिखिल की जा सकती है )
	पाठ्यनीय :	(1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि प्रथवा सम्बद्ध विषय में इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि । (2) जर्मन, फ्रेंच, रुसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी ।	(1) भारतीय चिकित्सा परिषद प्रधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता । उक्त तृतीय अनुसूची भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त प्रधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिविष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए । (2) अपेक्षित स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता । (3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनु-संधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में आठ वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव ।	
4. वैज्ञानिक 'इ'	प्रावश्यक :	(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य । (2) अपेक्षित क्षेत्र में अनुसंधान या विज्ञान या विकास या उत्पादन में 10 वर्ष का अनुभव ।	प्रावश्यक :	प्रधिक से प्रधिक 45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिखिल की जा सकती है )
	पाठ्यनीय :	(1) विज्ञान गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में या प्रौद्योगिकी या धातुकी मास्टर की उपाधि । (2) जर्मन, फ्रेंच, रुसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी ।	(1) भारतीय चिकित्सा परिषद प्रधिनियम 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता । उक्त तृतीय अनुसूची भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त प्रधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिविष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए । (2) अपेक्षित स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता । (3) चिकित्सा राहत, चिकित्सा अनु-संधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के अपेक्षित क्षेत्र में वस वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव ।	
5. वैज्ञानिक 'इ'	प्रावश्यक :	(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य ।	प्रावश्यक :	प्रधिक से प्रधिक 45 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिखिल की जा सकती है )
		(1) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि अथवा इंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या समतुल्य ।	(1) भारतीय चिकित्सा परिषद प्रधिनियम 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता । उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
		(2) प्रयोक्ता क्षेत्र में अनुसंधान या डिजाइन या विकास या उत्पादन में 10 वर्ष का अनुभव। वांछनीय : (1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में हंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर की उपाधि। (2) जर्मन, फ्रेंच, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी।	(2) सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए। (2) प्रयोक्ता क्षेत्र में स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता। (3) चिकित्सा राहगत, चिकित्सा अनुसंधान चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के प्रयोक्ता क्षेत्र में उस वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव।	

## 6. वैज्ञानिक छ'

## 7. मृद्दय अनुसंधान और आवश्यक :

विकास विभाग

किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों, गणित या मनोविज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर उपाधि अथवा हंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की उपाधि या ममतुरुल्य।  
(2) प्रयोक्ता क्षेत्र में अनुसंधान या डिजाइन या विकास या उत्पादन में बारह वर्ष का अनुभव।

वांछनीय :

(1) विज्ञान, गणित या मनोविज्ञान में डाक्टरेट की उपाधि अथवा सम्बद्ध विषय में हंजीनियरी या प्रौद्योगिकी या धातुकी में मास्टर उपाधि।  
(2) जर्मन, फ्रेंच, रूसी, जापानी या चीनी भाषा की जानकारी।

## आवश्यक :

(1) भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) की प्रथम अनुसूची या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई चिकित्सीय अर्हता उक्त तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित चिकित्सीय अर्हता धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट शर्तों को भी पूरा करना चाहिए।  
(2) प्रयोक्ता स्नातकोत्तर उपाधि अर्हता।  
(3) चिकित्सा राहगत, चिकित्सा अनुसंधान, चिकित्सा शिक्षा या लोक स्वास्थ्य संगठन के प्रयोक्ता क्षेत्र में बारह वर्ष का व्यावहारिक और प्रशासनिक अनुभव।

अधिक से अधिक 50 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शियल की जा सकती है)

8. वैज्ञानिक सवालकार ऐमी रैशिक अर्हताएँ और अनुभव जो सरकार और अनुसंधान द्वारा विहित की जाए।  
और विकास महानिदेशक।

टिप्पण 1. अर्हताएँ अन्यथा सुझाहित अन्यथियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शियल की जा सकती है विवेषकार अनुभव संबंधी अर्हताएँ आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अन्यथियों के मामलों में उस दशा में शियल की जा सकती है, जब कि चयन के किसी प्रक्रम पर आयोग की यह राय हो कि इनके लिए प्रारंभित पदों पर भर्ती के लिए प्रयोक्ता अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अन्यथी पर्याप्त संघर्ष में उपलब्ध नहीं हैं।

टिप्पण 2. आयु सीमा अवधारित करने की विधियां तारीख भारत में रहने वाले अन्यथियों से (उनसे मिल जो अन्वमान और निकोबार द्वारा समुह तथा लक्ष्यद्वय में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की प्रतिम तारीख होगी।

टिप्पणी 3. रक्षा सेवाओं के ऐसे अधिकारियों के पास, जिन पर सेवा में ऊपर उल्लिखित श्रेणियों में से किसी श्रेणी में सिविलियन हैसियत में प्रवेश या स्थानान्तरण के लिए विचार किया जाता है, संघी भर्ती के लिए विहित न्यूनतम शैक्षिक अर्हताएँ और अनुभव हीना चाहिए। परन्तु यह और कि यदि महानिदेशक की विकारिश पर, किसी अधिकारी द्वारा पूरा किया गया कोई सेवा पाइयक्रम विशेषज्ञ प्रशिक्षण आदि सीधी भर्ती के लिए विहित अर्हताओं के समान माना जाता है तो ऐसे अन्यथातियों के बारे में यह समझा जाएगा कि उन्होंने इस अनुसूची में उपर्याप्त न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा कर लिया है।

## MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 30th December, 1978

**S.R.O. 8.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Defence Research and Development Service Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (1) "Assessment Board" means the Board constituted under Sub-rule (2) of Rule 8 ; rule (2) ;
- (2) "Commission" means the Union Public Service Commission ;
- (3) "Director General" means the Director General of Research and Development ;
- (4) "duty post" means any post, whether permanent or temporary, included in Schedule II ;
- (5) "Government" means the Government of India :
- (6) "Organisation" means the Defence Research and Development Organisation ;
- (7) "Schedule" means a Schedule to these rules ;
- (8) "Scheduled Castes" means such castes, races or tribes or parts of or groups within such castes, races or tribes as are notified under article 341 of the Constitution, to be Scheduled Castes for the purpose of Constitution ;
- (9) "Scheduled Tribes" means such tribes or tribal communities or parts of or groups within such tribes or tribal communities as are notified under article 342 of the Constitution to be Scheduled Tribes, for the purpose of the Constitution ;
- (10) "Service" means the Defence Research and Development Service.

3. Constitution of the Defence Research and Development Service.—There shall be constituted a service known as the Defence Research and Development Service consisting of persons appointed to the Service under rules 7 and 8. All posts included in the Service shall be classified as 'Group 'A' posts.

4. Grades, authorised strength and its review.—(1) The posts included in the Service, their number and pay scales, shall be as specified in Schedule II.

(2) After the commencement of these rules, the authorised permanent strength of the various grades shall be such as may, from time to time, be determined by the Government.

(3) The Government may make temporary additions or deletions to the strength of the various grades as deemed necessary from time to time.

(4) The Government may, in consultation with the Commission, include in the Service any post other than those, included in Schedule II or exclude from the Service a post included in the said Schedule.

(5) The Government may, in consultation with the Commission, appoint an officer whose post is included in the Service under sub-rule (4) of this rule, to the appropriate grade of the Service in a temporary capacity or in substantive capacity, as may be deemed fit, and fix his seniority in the grade in consultation with the Commission.

5. Member of the Service.—(1) The following persons shall be members of the Service :—

- (a) Persons appointed to the Service at the promulgation of these rules under rule 7 from the date of such promulgation ;

(b) Persons appointed to duty posts after the promulgation of these rules from the date they are so appointed.

(2) A person appointed under clause (a) of sub-rule (1) of this rule shall, on such promulgation, be deemed to be a member of the Service in the corresponding grade.

(3) A person appointed under clause (b) of sub-rule (1) of this rule shall be a member of the Service in the corresponding grade, from the date of such appointment.

(4) Apart from the above, the Government may when considered necessary, appoint eminent scientists as Consultants or as Emeritus Scientists on terms and conditions to be decided by the Government in each case.

6. Method of recruitment.—Recruitment to the Service shall be made by any of the following methods, the method of recruitment on each occasion being decided by the Government in the light of qualifications required for the particular post keeping in view the job requirement of the same :—

- (1) by promotion ;
- (2) by direct recruitment ;
- (3) by transfer of suitable officers from other Services and Departments under the Central or State Governments ;
- (4) by deputation or on contract of suitable scientists and technologists from Universities, Institutes of Technology, Research Institutions and other non-government bodies in India or abroad or Central or State Governments Departments ;
- (5) by absorption in civilian capacity of suitable officers from the Army, Navy and Air Force ;
- (6) by absorption of suitable officers who were appointed on deputation or under contract by the method mentioned in item (4) above.

7. Initial constitution of the Service.—(1) (a) All Group 'A' officers in the Defence Science Service and working in the Defence Research and Development Organisation on the date of promulgation of these rules shall be deemed to have been appointed to the Defence Research and Development Service in the posts or grades corresponding to those which they were holding on regular basis.

(b) Any such officer in the Defence Science Service who is or was working on the above date in any of the offices or establishments under the Directorate General of Inspection and the Directorate of Technical Development and Production (Air), shall not become a member of the Defence Research and Development Service unless he, within three months from the date of promulgation of these rules, opts for the Service and is found fit for appointment thereto in the manner mentioned in sub-rule (2) below.

(2) The suitability for appointment to the Service in the case of the Defence Science Service Officers serving in the Directorate General of Inspection and the Directorate of Technical Development and Production (Air) who opt for Defence Research and Development Service shall be determined by a Screening Committee constituted as under. The decision of this Committee shall be final and binding on all concerned and no appeal shall lie against the decision of this Committee :—

- (a) Chairman or Member of the Commission—President.
- (b) Scientific Adviser to Raksha Mantri and Director General of Research and Development.—Members.
- (c) Two Chief Controllers of Research and Development.—Members.
- (d) One Officer of appropriate status in the discipline concerned to be nominated by the Director General.—Members.

Explanation :—The absence of a member other than the Chairman or Member of the Commission shall not invalidate the proceedings of the Screening Committee.

Provided that the Defence Science Service Officers who are found suitable by the Screening Committee for appointment to this Service shall be absorbed in the Service against the available vacancies in the corresponding grades held by them on regular basis in the Defence Science Service on the date preceding the date of promulgation of these rules and shall retain their inter-se seniority as assigned to them in the Defence Science Service on that date. Such of the officers as cannot be so absorbed for want of vacancies shall continue to serve with the Directorate General of Inspection or Directorate of Technical Development and Production (Air) Organisations till such time as regular vacancies in the corresponding grades become available in the Service for their absorption. The seniority of such officers shall be fixed by the Director General in consultation with the Commission.

Note :—The regular continuous service of officers mentioned in sub-rules (1) and (2) above in the respective grades prior to their appointment to the Defence Research and Development Service shall count for the purpose of qualifying service for promotions, confirmation and pension in the Service.

(3) Any officer referred to in sub-rule (1)(a) of this rule who does not, on selection to any grade in the Service, desire to be absorbed in the Service, may continue to hold the post held by him immediately before the selection as if he had not been selected and for this purpose that post shall be deemed to have been excluded from the Service for so long as he continues to hold it. He shall not be considered for any further promotion or confirmation in the organisation.

(4) To the extent the authorised regular strength of various grades in the Service is not filled at the time of the initial constitution, it shall be filled in accordance with rule 8.

8. Future maintenance of the Service.—(1) After the initial constitution of the Service has been completed by the appointment of officers in accordance with rule 7, vacancies shall be filled in the manner as hereinafter provided :—

(a) The posts in the grade of Scientist 'B' in various disciplines shall be generally filled by direct recruitment through an open competitive examination in accordance with the scheme of examination that may be approved in consultation with the Commission. The age limit shall be 26 years (Relaxable for employees of Defence Research and Development Organisation). Unless covered by any of the exceptions that may, from time to time, be notified by the Government in this behalf, no candidate shall be permitted to avail of more than three chances at the examination. However, all those who have been recruited before the promulgation of these rules as Junior Scientific Officers in the Defence Research and Development Organisation on regular basis and possess the educational qualifications and experience as laid down for direct recruits, shall be eligible, till they are wasted out, for promotion to the post of Scientist 'B' upto 50 per cent of the vacancies in the grade ;

The selection for such promotions shall be made on the recommendations of the Assessment Board on the basis of (i) confidential reports or interview or both or (ii) a limited departmental competitive examination followed by assessment of confidential reports or interview or both. In the event of a limited departmental competitive examination, all those existing departmental Junior Scientific Officers who do not possess the educational qualifications as laid down for the direct recruit shall also be permitted to take the examination and if they qualify and are further assessed fit by the Assessment Board, they shall, subject to approval by the Commission, also be eligible for promotion to the post of Scientist 'B':

Provided further that the total number of posts filled in this manner in that grade shall at no time exceed 50 per cent of the total sanctioned strength for that grade on the date of promulgation of these rules. This concession shall also be admissible to those persons who are appointed or promoted as Junior Scientific Officers in the Defence Research and Development Organisation on regular basis on or after the date of promulgation of these rules provided that—

(i) they are appointed as Junior Scientific Officer against posts which are advertised by the Commission prior to the date of promulgation of these rules ;

(ii) they are promoted as Junior Scientific Officers on the basis of the recommendations made by the Departmental promotion Committee prior to the date of promulgation of these rules.

Provided further that it shall be open to the appointing authority to fill these posts by direct recruitment without resort to the open competitive examination in consultation with the Commission.

(b) Any of the higher posts above that of Scientist 'B' shall be filled by any of the methods mentioned in rule 6, the method of recruitment being decided upon by the Director General on each occasion depending on specific requirements and in the light of the qualifications required for that particular post. For posts involving project management, as the interests of the State and the objectives of the Organisation are of paramount importance, the Government shall decide the mode of filling up the posts, taking into consideration, competence required of the incumbent of the post, the tasks to be achieved and the availability of persons with the requisite qualifications and experience both within the Service and outside.

(c) The post of Scientific Adviser and Director General of Research and Development shall be filled in consultation with the Commission.

(2) Department promotions shall be made from amongst the officers possessing the broad educational qualifications as given in Schedule III and serving in the next lower grade. Selection of officers for promotion shall be made in accordance with the following manner on the basis of individual's merit or accomplishments in the particular grade as assessed by the Assessment Board constituted as at Schedule-I and not based on seniority consideration only.

(a) Assessment Boards shall be convened at least once a year or at such intervals as may be prescribed by the Director General. These Boards may meet as a whole or in parts in one or more establishments as may be decided by the Director General for the purpose of assessing merit of persons serving in different Establishments or Laboratories or Headquarters for promotion to the higher grade.

(b) The specific qualification requirements (QR) for promotion to the posts of Scientists 'I' and above shall be determined by the Director General on each occasion in the light of qualifications required for the particular post keeping in view the job requirements for the same.

(c) In evaluating the suitability of the officers for promotion, the Assessment Board shall take into consideration their qualifications, performance, merit, seniority, etc. The selection shall be on the basis of Confidential Reports and interview. However, the Assessment Board may, at their discretion, consider in absentia the candidature of such officer(s) who are unable to present themselves for the interview. The Assessment Board shall draw up a list of officers who are assessed as fit for promotion to the next higher grade.

(d) The Assessment Board shall consider the cases of all officers, who have completed five years regular service in the grade to assess their suitability for promotion to the next higher grade. However, if an officer has earned three successive 'Outstanding' reports or four successive 'Very Good' reports in the same grade, he shall also be assessed for promotion to the next higher grade.

(e) Recommendations of the Assessment Boards held at different Establishments, Laboratories or Headquarters, after approval by the Commission, shall be implemented from the date to be arrived at in consultation with the Commission. This date shall be treated as the date of selection for purposes of determining their seniority in the grade in respect of all officers cleared for promotion provided they are on duty on that date. However, officers who are

away from their Establishments, Laboratories or Headquarters on leave on that date, shall assume charge in the grade to which they are promoted with effect from the date they resume duty in their Establishment, Laboratory or Headquarters but this shall not affect their 'date of selection' or their inter-se seniority in the higher grade vis-a-vis the other officers cleared for promotion by the same Assessment Board. In so far as persons undergoing training in India or abroad (under FR 51) are concerned, they shall be promoted to the next higher grade with effect from the date they would have been so promoted had they not proceeded on training subject to the following conditions being fulfilled:—

- (i) The period of such training is treated as duty under FR 9(6)(b);
- (ii) They have been approved for promotion to the next higher grade;
- (iii) All their seniors, except those regarded as unfit for promotion to the particular grade, available have been promoted to that grade.
- (iv) In regard to promotion of officers to the grades of Scientists 'C', Scientists 'D' and Scientists 'E', officers promoted from one grade to the next higher grade on the recommendation of the Assessment Board shall as far as possible, be granted in-situ promotion in the same Establishments, Laboratories or Headquarters. For this purpose, the required number of posts in the grade shall be upgraded, under the powers of the Director General, within the budgetary ceilings sanctioned for that Establishment, Laboratory or Headquarters subject to the proviso that the number of posts of Scientists 'D' and Scientists 'E' shall not exceed one-third of the total number of posts of Scientists 'B', Scientists 'C', Scientists 'D' and Scientists 'E' put together and provided further that the number of posts of Scientists 'E' shall not exceed one-third of the total number of posts of Scientists 'D' and Scientists 'E' put together. However, the Director General, may transfer an officer from one Establishment, Laboratory or Headquarters to another, on his promotion or in the same grade, if considered necessary in the interests of the Service.

(3) Selection of officers under the different methods mentioned at serials (2) to (6) of rule 6, for future maintenance of service shall be made in consultation with the Commission except while appointing a Central Government Group 'A' officer on deputation. Selection by direct recruitment shall be by interview or written test or both. The educational qualifications, experience and age limit for appointment to various posts in the Service under the methods mentioned in this sub-rule shall be broadly as specified in Schedule III. However, the specific educational qualifications and experience required for different posts shall be prescribed by the Director General on each occasion in consultation with the Commission

(4) Officers appointed on deputation by the method mentioned in item (4) of rule 6 shall be initially appointed for a period of two years which may be extended or curtailed at the discretion of the Director General. The total period of deputation shall, in no case, exceed five years. However, deputations allowance shall be admissible only for the first four years of deputation.

(5) Officers appointed on contract by the method mentioned in item (4) of rule 6 shall ordinarily be appointed for a period of six years. They shall, however, be on probation for a period of one year. The period of contract may be curtailed at the discretion of the Director General. The contract may be renewed at the end of six years.

(6) During the period of deputation or contract, the performance of the officers concerned shall be assessed at periodic intervals to be specified by the Director General and if the same is considered satisfactory, cases of such officers may also be considered by the Director General, in consultation with the Commission, for absorption in an appropriate grade of the Service.

(7) The seniority of officers appointed to the Service in pursuance of any of the methods at (3), (5) and (6) of rule 6 shall be fixed by the Director General in consultation with the Commission.

9. Probation.—(1) Persons appointed to any of the grades of the Service, either by direct recruitment or by promotion shall be on probation for a period of two years;

Provided that the Director General may extend or curtail the period of probation in accordance with the instructions issued by the Government from time to time.

Provided further that in cases where it is proposed to extend the period of probation, the Director General shall give notice in writing of his intention to do so, to the officer within twelve weeks after expiry of the initial or extended period of probation.

(2) On the completion of the period of probation, persons shall, if considered fit for permanent appointment, be retained in their appointment on regular basis and be confirmed in due course against the available substantive vacancies.

(3) If, during the period of probation referred to in sub-rule (1) of this rule or any extension thereof, as the case may be, the Government is of the opinion that a candidate is not fit for permanent appointment or if, at any time during such period of probation, or extension thereof the Government is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiry of such period of probation or extension thereof, the Government may discharge or revert the candidate to his substantive post as the case may be or pass such orders as they deem fit.

(4) During the period of probation, the candidates may be required to undergo such courses of training and orientation and to pass such examinations and tests (including examination in Hindi) as may be prescribed by the Director General as a condition to satisfactory completion of the probation.

10. Head of the Service.—The Director General shall be the head of the Service and shall be responsible for deployment of officers of the Service to the best advantage of the Government.

11. Liability for service.—(1) Officers appointed to the Service shall be liable to serve anywhere in India or outside.

(2) Officers, if deputed, shall be liable to serve in any other Ministry or Department of the Government of India or Corporations and Industrial Undertakings of the Government.

(3) Persons possessing the engineering or medical qualifications referred to in the Note below and recruited to the Service, whether before or after the commencement of those rules, shall, if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years, including the period spent in training, if any, provided that—

(a) they shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment; and

(b) they shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years in the case of engineers and forty-five years in the case of doctors.

Note:—The engineering or medical qualifications referred to in this rule are those laid down in Para 2(b) of Army Instruction 10/S/65 or Para 3(b) of Army Instruction 208 of 1959, as the case may be.

(4) Persons appointed to the Service shall be liable to field service (including service on land or travel by service aircrafts or naval ships) to a limited extent in respect of research and development or such other work as may be approved by the Director General.

(5) Officers selected for assignments involving limited field service shall undergo such special medical check up as may be specified, either at the time of selection or when they proceed on field service, as the case may be.

(6) Officers appointed to the Service shall be liable to undergo such training and be detailed on courses of instruction in India or abroad as the Director General may decide

from time to time. An officer detailed for training or course the duration of which is six months or more or an officer detailed for training outside India or with private firms or factories in India, irrespective of the duration of the training, shall be liable to refund in full the cost of training if, for any reason, during the training or within a period of three years after the completion of such training, he chooses to discontinue his service.

**12. Retirement benefits.**—(1) A member of the Service, who, before the promulgation of these rules, was eligible for pension or contributory Provident Fund benefits, shall continue to be governed by the rules applicable to him immediately before such promulgation.

(2) A member of the Service recruited on or after the promulgation of these Rules, on pensionable basis, shall be governed by the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972 as amended from time to time, as applicable to other civilians paid from the Defence Service Estimates. A member of the Service so recruited, who is on Contributory Provident Fund basis shall be governed by the Contributory Provident Fund (Defence Services) Rules.

(3) All posts of Scientist 'E' and above in the Service shall be non-pensionable and officers holding these posts shall be governed by the Contributory Provident Fund (Defence Services) Rules.

**Note 1:**—Officers already holding posts on pensionable basis under the Central or State Governments may, if they so opt, retain their pensionable status; provided that :—

- (a) such option shall be exercised within six months from the date of promulgation of these Rules, or date of absorption in the Service, whichever is later, and
- (b) the option once exercised shall be final. Any failure to exercise an option within the stipulated period shall be construed to mean an option in favour of retaining the existing pensionary benefits.

**Note 2:**—Persons appointed to any of the pensionable posts of service either by direct appointment or by promotion and confirmed therein, when directly appointed to the post of Scientist 'E' or above shall continue to retain their pensionable status.

(4) All posts of Scientist 'D' and below in the Service shall be pensionable.

**Note 3:**—Scientist 'D' holding such posts at the promulgation of these rules and governed by the Contributory Provident Fund Rules may opt for pensionary benefits; Provided that :—

- (a) such option shall be exercised within six months from the date of promulgation of these rules; and
- (b) the option once exercised shall be final. Any failure to exercise an option within the stipulated period shall be construed to mean an option in favour of retaining the existing Contributory Provident Fund benefits.

(5) Lateral entry candidates appointed to posts of Scientists 'C' and above shall be entitled to the benefits of added years of service for purposes of superannuation pension admissible under Rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.

**13. Other conditions of service.**—(1) The other conditions of service of the members of the Service in respect of matters not expressly provided for in these rules, shall, mutatis mutandis and subject to any special orders issued by the Government in respect of the Service, be the same as those applicable to officers (Civilian) of corresponding status in similar scientific institutions or organisations under the Government of India.

(2) In the matter of conduct and discipline, officers of the Service shall be governed by the Central Civil Service (Conduct) Rules, 1964 and Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, as amended from time to time.

(3) All posts in this Service shall be classified as Group 'A' posts and shall be deemed to be 'technical posts' for purposes of medical standards as specified in the Medical Regulations and Medical Report form for the Indian Administrative Service, Indian Police Service, Indian Foreign Service, Indian Forest Service and the Central Services issued by the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

(4) (a) Requests of officers of the Service for leave to pursue higher studies in India or abroad, which are not considered to be of any interest to Defence Research and Development Organisation, shall not be granted.

(b) When an officer of the Service applies for leave for undergoing course of training or study which is considered to have a direct bearing on subjects of interest to Defence Research and Development Organisation and if such study or training will, as a consequence, serve the interests of Defence Research and Development Organisation, although not to the extent of placing the officer on deputation, the officer may be granted study leave on the following conditions :—

(1) The Defence Research and Development Organisation shall not pay for the officer's travel to and from the place of study or training.

(2) The leave sanctioned shall not normally be more than twelve months and, in no case, shall exceed two years in the entire period of service except when the leave is applied for obtaining a Doctorate or a similar qualification, in which case the period of leave may be extended to a minimum period required for acquiring such a qualification but not exceeding four years in the entire period of service. Study leave in excess of twelve months may be granted only if the officer has rendered more than five years service and at least three years' continuous service in the Defence Research and Development Organisation.

(3) Study leave may be taken in combination with leave of any other kind subject to the condition that study leave in combination with regular leave other than extraordinary leave shall not exceed twenty eight months. Further, the maximum period of absence including the study leave shall not exceed four years in the entire period of service.

(4) A bond shall be obtained from the officer binding him to serve the Defence Research and Development Organisation after the completion of the study or training in India or abroad for a minimum period of three years and a maximum period of five years.

(5) In the event of the officer returning to duty post within the stipulated period, the officer's study leave period shall count for the purposes of pay, pension, increment, etc. However, in the event of the officer not returning to the duty post after the expiry of the study leave, the officer shall be liable to pay the bond money to the Government and at the same time the service of the officer may be terminated.

(6) In regard to all other matters including leave salary and study allowance, the rules regarding 'study leave' as contained in the Central Civil Service (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time, will be applicable to the members of this Service.

#### 14. Disqualifications.—No person,—

- (1) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (2) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the service; provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

**15. Power to relax.**—Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Commission relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons or posts.

**16. Saving.**—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions, required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**17. Interpretation.**—If any question relating to interpretation of these rules arises, it shall be decided by the Government.

**18. Cessor of Defence Science Service Rules, 1967 in certain cases.**—On and from the commencement of these rules, the Defence Science Service Rules, 1967 shall, in so far as they relate to the posts to which these rules are applicable, cease to be in force.

#### SCHEDULE I

(See Rule 8(2))

**Constitution of the Assessment Board for assessing suitability of officers for promotion in the Defence Research and Development Service**

The Assessment Board shall be constituted as under :—

- (1) Chairman or Member of the Commission or a nominee of the Commission. ...Chairman.
- (2) Two or three departmental officers of appropriate status nominated by the Director General, Research and Development. ...Member.
- (3) Two or more experts to be nominated by the Commission. ...Member.

**Note :** (I) The officers mentioned at Serial No. (2) should normally be at least one level above the level for which the persons are to be considered for promotion.

- (ii) The absence of a member of the Board other than the Chairman shall not invalidate the proceedings of the Assessment Board.
- (iii) The proceedings of the Assessment Board shall be subject to approval by the Commission.
- (iv) The date from which the recommendations of the Assessment Board will be effective shall be decided in consultation with the Commission.

#### SCHEDULE II

(See Rule 4)

**Numbers and Scales of pay of Group 'A' posts included in the Defence Research and Development Service**

S. No.	Designation of Post	Scale of pay	No. of post
1.	Scientist 'B' (hitherto known as Senior Scientific Officer Grade II).	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	512
2.	Scientist 'C' (hitherto known as Senior Scientific Officer Grade I).	Rs. 1100-50-1600.	378
3.	Scientist 'D' (hitherto known as Principal Scientific Officer)	Rs. 1500-60-1800-100-2000.	118
4.	Scientist 'E' (hitherto known as Deputy Chief Scientific officer).	Rs. 1800-100-2000-125/2-2250.	19
5.	Scientist 'F' (hitherto known as Director Grade II).	Rs. 2000-125/2-2500	11
6.	Scientist 'G' (hitherto known as Director Grade I).	Rs. 2500-125/2-3000	12
7.	Chief Controller of Research and Development.	Rs. 2500-125/2-3000	1
8.	Scientific Adviser to Raksha Mantri and Director General Research and Development. As decided by the Government from time to time.		1

## SCHEDULE III

[See Rule 8(2)]

Minimum educational and other qualifications, experience and age limit for direct recruitment to various Group 'A' posts included in the Defence Research and Development Service

Sl. No.	Name of post	Educational and other qualifications and experience for direct recruits		Age limit
		(3)	(4)	
		For posts requiring qualifications in Scientific or Engineering or Technical subjects		For posts requiring medical qualifications
(1)	(2)			(5)
1. Scientist 'B'	<p><b>Essential :</b></p> <p>At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or Second Class Degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</p> <p><b>Desirable :</b></p> <p>Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</p>	<p><b>Essential :</b></p> <p>(i) A medical qualification included in the first Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act, 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</p> <p>(ii) Completion of compulsory rotating internship.</p>		Not exceeding 26 years. (Relaxable for Defence Research and Development Organisation employees).
2. Scientist 'C'	<p><b>Essential :</b></p> <p>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or Second Class Degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Four years' experience in research or design or development or production in the required areas.</p> <p><b>Desirable :</b></p> <p>(i) Doctorate degree in Science Mathematics or Psychology or Master's degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</p> <p>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</p>	<p><b>Essential :</b></p> <p>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</p> <p>(ii) Required post-graduate degree qualification.</p> <p>(iii) Three years practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or public health organisation.</p>		Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government Servants)
3. Scientist 'D'	<p><b>Essential :</b></p> <p>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or Second Class Degree in Engineering, Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Eight years experience in research or design or development or production in the required areas.</p> <p><b>Desirable :</b></p> <p>(i) Doctorate Degree in Science, Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</p> <p>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</p>	<p><b>Essential :</b></p> <p>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</p> <p>(ii) Required Post Graduate Degree qualification.</p> <p>(iii) Eight years practical and Administrative experience in the required field of medical relief, medical research, or medical education or public health organisation.</p>		Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants).

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
4. Scientist 'E'		<p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or at least Second Class Degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</li> <li>(ii) Ten years' experience in research or design or development or production in the required areas.</li> </ul> <p>Desirable :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Doctorate Degree in Science Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</li> <li>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</li> </ul>	<p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of section 13 of the said Act.</li> <li>(ii) Required Post-Graduate Degree qualification.</li> <li>(iii) Ten years' practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or Public Health organisation.</li> </ul>	Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants).
5. Scientist 'F'		<p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects or Mathematics or Psychology or at least Second Class degree in Engineering or Technology or Metallurgy from recognised University or equivalent.</li> <li>(ii) Ten year's practical experience in research or design or development or production in the required areas.</li> </ul> <p>Desirable :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Doctorate Degree in Science, Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</li> <li>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</li> </ul>	<p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of Section 13 of the said Act.</li> <li>(ii) Required Post-Graduate degree qualification.</li> <li>(iii) Ten years' practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or public health organisation.</li> </ul>	Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants).
6. Scientist 'G'				
7. Chief Controller of Research and Development		<p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) At least Second Class Master's Degree in Science subjects, Mathematics or Psychology or at least Second Class degree in Engineering or Technology or Metallurgy from a recognised University or equivalent.</li> <li>(ii) Twelve years' experience in research or design or development or production in the required areas.</li> </ul> <p>Desirable :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Doctorate Degree in Science, Mathematics or Psychology or Master's Degree in Engineering or Technology or Metallurgy in the subject concerned.</li> <li>(ii) Knowledge of German, French, Russian, Japanese or Chinese.</li> </ul>	<p>Essential :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) A medical qualification included in the First Schedule or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule to the Indian Medical Council Act, 1956, (102 of 1956). Holders of Medical qualifications included in Part II of the said Third Schedule should also fulfil the conditions specified in sub-section (3) of Section 13 of the said Act.</li> <li>(ii) Required Post-graduate degree qualification.</li> <li>(iii) Twelve years' practical and administrative experience in the required field of medical relief, medical research, medical education or public health organisation.</li> </ul>	Not exceeding 50 years. (Relaxable for Government servants).
8. Scientific Adviser and Director General of Research and Development		Such educational qualifications and experience as may be prescribed by the Government.		

Note : 1—The qualifications prescribed are relaxable at the discretion of the Commission in the case of candidates otherwise well qualified in particular the qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Commissioner in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, if at any stage of selection the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the posts reserved for them.

Note : 2—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

Note : 3—Officers from the Defence Services who have to be considered for induction or transfer in the service in a Civilian capacity in any of the grades mentioned above, should possess the minimum educational qualifications and experience prescribed for direct recruits. Provided further that, if on the recommendations of the Director General any service course, specialised training etc., undergone by an officer is considered to be at par with those prescribed for the direct recruits, such officers may also be deemed to fulfil the minimum requirements set forth in this Schedule.

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1974.

**कानूनिका० 9.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 14 अप्रैल 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को जबलपुर छावनी में साधारण निर्वाचन किए जाएंगे।

[फाइल सं० 29/3 मी/एलएच सी/75 /70-सी-डी (केन्ट)]

New Delhi, the 3rd January, 1979

**S.R.O. 9.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 14th April, 1979 as the date on which elections in Jabalpur Cantonment shall be held.

[File No. 29/3/C/L&C/75/70-C/D(Cannts.)]

**कानूनिका० 10.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 15 अप्रैल 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को क्लेमेंट टाउन छावनी में साधारण निर्वाचन किए जाएंगे।

[फाइल सं० 29/2/सी/एल एच सी/75/68-सी-डी (केन्ट)]

**S.R.O. 10.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 15th April, 1979 as the date on which elections in Clement Town Cantonment shall be held.

[File No. 29/2/C/L&C/75/68-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 11.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त भक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 24 मार्च 1979 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को अल्मोड़ा छावनी में साधारण निर्वाचन किए जाएंगे।

[फाइल संख्या 29/46/सी/एल एच सी/66/66/सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 11.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 24th March, 1979 as the date on which elections in Almora Cantonment shall be held.

[File No. 29/46/C/L&C/66/66-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 12.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुगरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, औरंगाबाद की सदस्यता में मेजर श्री० एम० चम्पावत के खागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/47/सी/एल एच सी/66/41-सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 12.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Aurangabad by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major B. S. Champawat.

[File No. 19/47/C/L&C/66/41-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 13.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुगरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रधिसूचित करती है कि मेजर तुलसी दास को प्राफिसर कमांडिंग स्टेजन द्वारा मेजर श्री० एम० चम्पावत के जिन्होंने खागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, औरंगाबाद के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/47/सी/एल एच सी/66/41/1-सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 13.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Tulsi Dass has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board, Aurangabad vice Major B. S. Champawat who has resigned.

[File No. 19/47/C/L&C/66/41-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 14.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुगरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, शाहजहांपुर की सदस्यता में मेजर जो० एम० विर्क के खागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/30/सी/एल एच सी/65/80-सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 14.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Ram Singh has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of the Cantonment Board, Shahjahanpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major G. S. Virk.

[File No. 19/30/C/L&C/65/80-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 15.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुगरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रधिसूचित करती है कि मेजर रामसिंह को प्राफिसर कमांडिंग स्टेजन द्वारा मेजर जो० एम० विर्क के जिन्होंने खागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, शाहजहांपुर के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/30/सी/एल एच सी/65/80/1-सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 15.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Ram Singh has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Shahjahanpur vice Major G. S. Virk who has resigned.

[File No. 19/30/C/L&C/65/80/1-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 16.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुगरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, बैरकपुर की सदस्यता में स्का० ली० एस० के० थापर के खागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/49/सी/एल एच सी/66/14-सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 16.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Barrackpore by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Sqn. Ldr. S. K. Thapar.

[File No. 19/49/C/L&C/66/14-C/D(Cannts.)]

**कानूनि० 17.**—छावनी प्रधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का प्रनुगरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा प्रधिसूचित करती है कि स्का० ली० जगदीश राम को प्राफिसर कमांडिंग स्टेजन द्वारा स्का० ली० एस० के० थापर के जिन्होंने खागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, बैरकपुर के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/49/सी/एल एच सी/66/14-सी/डी (केन्ट)]

**S.R.O. 17.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Sqn. Ldr. Jagdish Ram has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Barrackpore vice Sqn. Ldr. S. K. Thapar who has resigned.

[File No. 19/49/C/L&C/66/14/1-C/D(Cantts.)]

नई विल्ली, 5 जनवरी, 1979

का० नि० आ० 18.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, जबलपुर की सरकार में ले० के० बी० एम० मंगत के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एम० बी०/65/39/सी० शी० (केन्ट)]

New Delhi, the 5th January, 1979

**S.R.O. 18.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Jabalpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Lt. Col. B. S. Mangat.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 19.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि ले० के० बी० एम० बधावा को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा मे० के० पी० एम० मंगत के जिह्वेने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, जबलपुर के सरकार के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एम० बी०/65/39/1-सी०/शी० (केन्ट)]

**S.R.O. 19.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Lt. Col. I. S. Wadva has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Jabalpur vice Lt. Col. B. S. Mangat who has resigned.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39/1-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 20.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, जबलपुर की सरकार में कर्नेल ए० डी० सिह के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एम० बी०/65/39/II-सी०/शी० (केन्ट)]

**S.R.O. 20.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Jabalpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Col. A. D. Singh.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39/II-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 21.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि कर्नेल ए० के० भट्टाचार्य को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा कर्नेल ए० डी० सिह के जिह्वेने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, जबलपुर के सरकार के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/2/सी/एल एम० बी०/65/39/III-सी०/शी० (केन्ट)]

**S.R.O. 21.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Col. A. K. Bhattacharya has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Jabalpur vice Col. A. D. Singh who has resigned.

[File No. 19/2/C/L&C/65/39/III-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 22.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, बीना की सरकार में मेजर मक्सूद अहमद के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल संख्या 19/16/सी/एल एम० बी०/65/40-सी०/शी० (केन्ट)]

**S.R.O. 22.**—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Babina by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Major Maqsood Ahmed.

[File No. 19/16/C/L&C/65/40-C/D(Cantts.)]

का० नि० आ० 23.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर जगजीत सिह को आफिसर कमांडिंग स्टेशन द्वारा मेजर मक्सूद अहमद के जिह्वेने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, बीना के सरकार के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल संख्या 19/16/सी/एल एम० बी०/65/40/1-सी०/शी० (केन्ट)]

प्रदीप भट्टाचार्य, प्रबंध सचिव

**S.R.O. 23.**—In pursuance of sub-section (1) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Jagjit Singh has been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Babina vice Major Maqsood Ahmed who has resigned.

[File No. 19/16/C/L&C/65/40/1-C/D(Cantts.)]

P. BHATTACHARYA, Under Secy.

नई विल्ली, 5 जनवरी, 1979

का० नि० आ० 24.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रभोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में रक्षा मंत्रालय, अनुसंधान तथा विकास मुख्यालय को, जिसके कमेंटरीबैंक ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

New Delhi, the 5th January, 1979

**S.R.O. 24.**—In pursuance of rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Ministry of Defence, Research & Development Headquarters, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

का० निः आ० 25.—केंद्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के ज्ञामकीव्र प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में रक्षा मंत्रालय, अनुसंधान तथा विकास संगठन के नियन्त्रित स्थापनाओं/प्रयोगशालाओं को, जिसके कर्मचारी व् वे ने हिन्दी का कार्यमाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, प्रधिकृति करती है।

1. रक्षा विज्ञान प्रयोगशाला, दिल्ली
2. डोसाइम्या भौतिक प्रयोगशाला, दिल्ली
3. रक्षा वैज्ञानिक मूचना एवं प्रयोग केन्द्र, दिल्ली
4. रक्षा अग्नि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
5. रक्षा अनुसंधान तथा विकास स्थापना, खालियर
6. आयुध अनुसंधान तथा विकास स्थापना, पुणे
7. आयुध औषधियकी संस्थान, पुणे
8. विस्फोटक अनुसंधान तथा विकास प्रयोगशाला, पुणे
9. अनुसंधान तथा विकास स्थापना (इंजीनियर), पुणे
10. अग्नि प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, चंडीगढ़
11. रक्षा मासमी एवं अस्तु अनुसंधान तथा विकास स्थापना, कानपुर
12. स्थानिक तकनीकी कार्यालय, कानपुर
13. वैभानिकी प्रयोग अध्ययन तथा विश्लेषण केन्द्र, बंगलोर
14. आकासिक तकनीकी कार्यालय, हैवराबाद
15. हवाई विनाश अनुसंधान एवं विकास स्थापना, आगरा छावनी
16. रक्षा हेलिकॉप्टर प्रयोज्यता प्रयोगशाला, देहरादून
17. यान्त्र अनुसंधान तथा विकास स्थापना, देहरादून
18. नौसेना रासायनिक तथा धातुकर्मीय प्रयोगशाला, अमृता०
19. आकासिक तकनीकी कार्यालय, लखनऊ
20. रक्षा कार्यालय संस्थान, मसूरी
21. बाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना, अहमदनगर
22. रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर
23. नौसेनिक भौतिकी संस्था समूद्र-विज्ञान प्रयोगशाला, कोक्हीन

यशवीर प्रसाद जैन, उप निदेशक (प्रशासन)

S.R.O. 25.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the undermentioned Establishments/Laboratories of the Research & Development Organisation, Ministry of Defence, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

1. Defence Science Laboratory, Delhi.
2. Solidstate Physics Laboratory, Delhi.
3. Defence Scientific Information and Documentation Centre, Delhi.
4. Defence Institute of Fire Research, New Delhi.
5. Defence, Research & Development Establishment, Gwalior.
6. Armament Research & Development Establishment, Pune.
7. Institute of Armament Technology, Pune.
8. Explosive Research & Development Laboratory, Pune.
9. Research & Development Establishment (Engrs), Pune.
10. Terminal Ballistics Research Laboratory, Chandigarh.
11. Defence Material & Stores Research & Development Establishment, Kanpur.
12. Resident Technical Office, Kanpur.
13. Centre for Aeronautical System Studies & Analysis, Bangalore.
14. Resident Technical Office, Hyderabad.
15. Aerial Delivery Research & Development Estl. Agra Cantt.
16. Defence Electronics Application Laboratory, Dehradun.
17. Instruments Research & Development Establishment, Dehradun.
18. Naval Chemical & Metallurgical Laboratory, Bombay.
19. Resident Technical Office, Lucknow.
20. Defence Institute of Workstudy, Mussoorie.
21. Vehicles Research & Development Establishment, Ahmednagar.
22. Defence Laboratory, Jodhpur.
23. Naval Physical & Oceanographic Laboratory, Cochjn.

Y. P. JAIN, Dy. Director (Admn.).

